द्वितीयं ब्रह्मचारिणी

करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलम्।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रम्हचारिण्यनुत्तमा॥

भगवती दुर्गा की नौ शक्तियों का दूसरा स्वरूप ब्रम्हचारिणी का है। ब्रम्ह का अर्थ है, तपस्या। तप का आचरण करने वाली भगवती जिस कारण उन्हें ब्रम्हचारिणी कहा गया, वेदस्तत्वं तपो ब्रम्ह, वेद, तत्व और ताप ''ब्रम्ह'' अर्थ है, ब्रम्हचारिणी देवी का स्वरूप पूर्ण ज्योतिर्मय एवं अत्यन्त भव्य है। इनके दाहिने हाथ में जप की माला एवं बायें हाथ में कमण्डल रहता है।

-: ध्यान :-

वन्दे वाच्छित लाभाय चन्द्रार्घकृत शेखराम्
जपमाला कमण्डलुधरा ब्रम्हचारिणी शुभाम्॥
गौरवर्णा स्वाधिष्ठानस्थितां द्वितीय दुर्गा त्रिनेत्राम्।
धवल परिधानां ब्रम्हरूपां पुष्पालंकार भूषिताम्॥
पदमवंदना पल्लवराधरा कांतकपोला पीन पयोधराम्॥
कमनीयां लावण्यां स्मेरमुखीं निम्न नाभि नितम्बनीम्॥

-: स्तोत्र :-

तपश्चारिणी त्वंहि तापत्रय निवारर्णीम्।
ब्रम्हरूपधरां ब्रम्हचारिणी प्रणमाम्यहम्॥
नवचक्र भेंदनी त्वंहि नवऐश्वर्य प्रदायनीम्।
धनदा-सुखदा ब्रम्हचारिणी प्रणमाम्यहम्॥
शंकरप्रिया त्वंहि भुक्ति-मुक्ति दायनी।
शान्तिदा मानदा ब्रम्हचारिणी प्रणमाम्यहम्॥

-: कवच :-

त्रिपुरा में हदये पातु ललाटे पातु शंकरभामिनी।
अपर्णा सदापातु नेत्रो अर्धरो च कपोलो॥
पंचदशी कण्ठे पातु, मध्यदेशे पातु महेश्वरी॥
षोडशी सदापातु नाभो, गृहों च पादयो।
अंग प्रत्यंग-सतत पातु ब्रम्हचारिणी॥

भगवती ब्रम्हचारिणी का ध्यान, स्तोत्र और कवच का पाठ करने से ''स्वाभिमान'' चक्र जागृत हो जाता है जिससे मनुष्य में तप, त्याग, वैराग्य, सदायारसंयम की वृद्धि होती है।

प्रस्तुति- के.ए. दुबे, पद्मेश

भक्तों के लिए मंदिर रहे बंद, घरों में की माताजी की पूजा, महामारी से बचाव के लिए की प्रार्थना

चैत्र नवरात्र व नवसंवत्सर हुए प्रारंभ, मराठी परिवारों में हर्षोल्लास से मनाया गया गुड़ी पड़वा पर्व

भोपाल। माता रानी की आराधना-उपासना का पर्व नवरात्र बुधवार से शुरू हो गया। वहीं, नवसंवत्सर भी प्रारंभ हुआ और मराठी परिवारों में हर्षोल्लास के साथ गुड़ी पड़वा पर्व मनाया गया। कोरोना वायरस के चलते नवरात्र की पूजा-अर्चना भक्तों ने घरों में ही की, मंदिरों में पुजारियों ने पूजा-अर्चना कर पट बंद कर दिए। भक्तों का मंदिर में प्रवेश निषेध किया गया। दो अप्रैल तक चलने वाले नवरात्र पर्व में नौ रूपों में देवी मां की पूजा-अर्चना की जाएगी, जिसमें पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। मां चामुंडा दरबार के पं. रामजीवन दुबे गुरुजी ने बताया कि चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ सर्वार्थ सिद्धि योग में शुरू हुआ है और रवियोग में समापन होगा। नवरात्रि में एक अप्रैल को दुर्गाष्टमी एवं नवमी एक साथ रहेगी। उन्होंने बताया कि नव संवत्सर के राजा बुध व मंत्री चंद्र रहे। नवरात्रि के पहले दिन भक्तों ने घरों में वृषभ लग्न में सुबह सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त के तहत 8:35 से 10.33 तक घटस्थापना, कलश, अखंड ज्योति की। रामनवमी रवि योग में मनाई जाएगी।

पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के पट हुए बंद

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए राजधानी का प्रमुख कर्फ्यू वाली माता मंदिर में सुबह 6 बजे मंदिर के पट खोले गए। पुजारियों ने परंपरानुसार माता की पूजा-अर्चना के साथ अन्य अनुष्ठान सम्पन्न किए। सुबह 9 बजे पट बंद कर दिए। वहीं शाम 6 बजे पट खोले गए और पूजा-अर्चना व आरती कर रात 9 बजे पट बंद कर दिए गए। मंदिर समिति ने बताया कि यह सिलसिला नौ दिनों तक जारी रहेगा।

मराठी समाज ने उगते सूरज को दिया अर्घ्य

गुड़ी पड़वा के अवसर पर राजधानी के मराठी व महाराष्ट्रीयन परिवारों में हर्षोल्लास के साथ पर्व को मनाया गया। मराठी समाज के लोगों ने सूर्योदय होते ही ऊगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके बाद ब्रह्मध्वज (गुड़ी) लगाया, जो एक लकड़ी के डंडे पर एक रेशमी वस्त्र लगाया, एक तांबे या चांदी का लोटा लगाया, शक्कर के खिलौनों की माला लगाई, साथ ही आम व नीम की पत्तियां लगाई और हार फूल चढ़ाकर पूजा कर सुख-समृद्धि की प्रार्थना की गई। वर्षभर निरोगी रहने के लिए मिश्री के साथ नीम की पत्ती का सेवन किया गया। इस दिन को दशहरे व अक्षय तृतीया के समान अबूझ मुहूर्त वाला दिन भी मानते हैं और पंचांग पूजन किया गया। गुड़ी पूजन के बाद विभिन्न प्रकार के पकवान श्रीखंड, पूरनपोली का भोग लगाया गया।

घरों को ही दिया मंदिर का रूप

ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने कोरोना वायरस की सावधानी को देखते हुए मंदिर न जाकर घर को ही मंदिर बना दिया है और घर में ही विधि विधान से माता जी की आराधना, घटस्थापना एवं पाठ किए जा रहे हैं। माता से प्रार्थना की जा रही है की माताजी इस कोरोना वायरस को जल्दी से जल्दी खत्म कर दें।

मिजाज-ए-मौसम

राजधानी का तापमान/मौसम

भोपाल — 26/03/2020 — साफ बादल — मौसम शुष्क

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	35°c	23°c

प्रदेश के मुख्य शहरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
इंदौर	36°c	22°c
ग्वालियर	35°c	20°c
जबलपुर	35°c	19°c

देश के प्रमुख शहरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	31°c	20°c
मुंबई	32°c	27°c
चेन्नई	32°c	25°c
कोलकाता	34°c	23°c

मजदूरों की मजबूरी

राजधानी में काम की तलाश में आए शिवपुरी के मजदूर बिना साधन के ही अपने गांव के लिए पैदल चल पड़े।

टीआई के घर की रखवाली करने गए युवक के मकान में चोरी

शहर प्रतिनिधि, भोपाल। टीआई के घर की रखवाली करने गए एक युवक के मकान में बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। यह मामला शाहजहांनाबाद थाना इलाके का है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक कैलाश कनाड़े न्यू-मल्टी वाजपेयी नगर में रहता है। वे मंगलवारा में चाय-नाश्ते की दुकान में हलवाई का काम करता है, वहीं उसकी पत्नी ईदगाह हिल्स में रहने वाले टीआई एचसी लाडिया के घर पर साफ-सफाई का काम करती है। मकान मालिक के शहर से बाहर रहने के कारण कैलाश घर की देखभाल करता है। रोज की तरह मंगलवार शाम करीब 5 बजे भी वह ईदगाह हिल्स चला गया, बुधवार करीब दोपहर 12 बजे जब वह अपने घर लौटा तो देखा कि मकान का कुंदा टूटा पड़ा था। अंदर जाने पर पता चला कि किचन में रखा एक सिलेंडर और 5 हजार रुपए गायब थे। युवक ने तुरंत थाने पहुंचकर पुलिस को मामले से अवगत करवाया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

शाहजहांनाबाद इलाके की घटना

थाना प्रभारी डीआईजी के पचास पार के आदेश का नहीं कर रहे पालन

नगर प्रतिनिधि, भोपाल। भोपाल डीआईजी इरशाद वली के पचास पार के निर्देश को भोपाल के बहुत सारे थाना प्रभारी नहीं मान रहे हैं। थाना प्रभारी आपदा से निपटने की बजाय चहेते और गैर चहेते के खेल में जुटे हुए हैं। चहेते नए पुलिसकर्मी थाना प्रभारी के साथ गाड़ी में घूम रहे हैं और पचास की उम्र सीमा पार कर चुके पुलिसकर्मी (हवलदार से एसआई तक) भीड़-भाड़ वाले इलाके में ड्यूटी कर रहे हैं।

दरअसल पुलिस मुख्यालय ने सभी एसपी, एसएसपी और आईजी को यह निर्देश दिया है कि पचास साल से ज्यादा उम्र वाले पुलिसकर्मियों और बीमार पुलिसकर्मियों की भीड़-भाड़ वाले इलाकों में ड्यूटी नहीं लगाई जाए। पीएचक्यू के आदेश के परिपालन में डीआईजी इरशाद वली ने यह निर्देश भोपाल के सभी थाना प्रभारियों को दिए हैं। उन्होंने आदेश में लिखा है कि कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने की दृष्टि से थाने पर तैनात जिन पुलिस कर्मचारियों की उम्र 50 साल से अधिक है अथवा जो पुलिसकर्मी टीबी, अस्थमा, ह्दय रोग एवं अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं, उनकी ड्यूटी वर्तमान में चल रही सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के दौरा नहीं लगाई जाए। डीआईजी ने 50 साल से अधिक उम्र वाले पुलिसकर्मियों की सूची भी थानों को भेजी है। मजेदार बात तो यह डीआईजी ने मौजूदा दौर में बीमार और पचास पार पुलिसकर्मियों से ड्यूटी लेने से ही इनकार किया है। थानों को बाकायदा सूची भी भेजी है, लेकिन उसका कई थाना प्रभारी पालन नहीं कर रहे हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति भोपाल के नए शहर के थानों में हैं। लिहाजा वास्तव में बीमार पुलिसकर्मी खासे परेशान हैं।

आपदा से निपटने की बजाय चहेते और गैर चहेतों के खेल में लगे टीआई

कर्फ्यू का चौथा दिन: दूध-सब्जी को तरसे लोग बेमतलब घूमने वालों पर पुलिस ने बरसाई लाठी

भेल कार्यालय। मूलभूत सुविधाओं की कमी की वजह से राजधानी में चार दिन से जारी कर्फ्यू का लोगों पर प्रतिकूल असर हो रहा है। भेल टाउनशिप व उसके आसपास की कालोनियों में लोग दूध व सब्जियों के लिए भी तरस रहे हैं। कोरोना वायरस व पुलिस की सख्ती की वजह से व्यापारी भी दुकानें खोलने को राजी नहीं है। वहीं बेमतलब सड़क पर घूमने वालों को सुधारने के लिए उनके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के साथ पुलिस लाठी का सहारा ले रही है। ऐसे में रहवासियों को रोजमर्रा का सामान भी नहीं मिल पा रहा है। हालांकि कुछ दुकानें खुली हैं, लेकिन दो दिन के अंदर ही इनके पास बचा हुआ किराने का स्टाक भी खत्म हो गया है। अवधपुरी में श्याम किराना स्टोर के संचालक श्याम कुमार का कहना है कि पिछले दो दिनों में ही दुकान का सारा सामान समाप्त हो गया है, हालत यह है चावल, गेहूं का एक दाना भी दुकान में नही बचा है।

वायरस के कारण सैकड़ों की जगह चंद लोग जमा हुए झूलेलाल जयंती पर

मंदिर के गेट पर था पहरा, गार्डों ने भीड़ जमा नहीं होने दी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि

सिंधी समाज का सबसे बड़ा धार्मिक पर्व भगवान झूलेलाल की जयंती चैटीचंड पर जहां हर साल सैकड़ों और हजारों लोग जमा होते हैं, वहां इस बार चंद लोगों ने ही धार्मिक अनुष्ठानों से अपने इष्ट देवता की पूजा की। कोरोना का भय ऐसा था कि वार्ड चार स्थित भगवान झूलेलाल मंदिर के मुख्य द्वार पर एक व्यक्ति को तैनात कर दिया था, जो बारी बारी से एक या दो श्रद्धालुओं को ही भीतर जाने दे रहा था। जहां भगवान झूलेलाल की प्रतिमा स्थापित है, वहां भी एक युवती खड़ी मिली, जिसने इस प्रतिनिधि को यह कहकर रोका कि भीतर दो महिलाएं पहले ही मौजूद हैं, उनके बाहर निकलने के बाद भी अंदर जाएं। मंदिर के प्रांगण में जहां हमेशा मेला लगा रहता है तथा सिंधी छेज, बहिराणा साहिब की धूम रहती है, लोग नाचते, गाते और एक दूसरे के गले मिलकर इस पर्व की बधाईयां देते हैं, वहीं इस बार श्रद्धालु ही नजर आए जिनके मुंह पर भी मास्क था। यहां झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष नानक चंदनानी के अलावा नारायणदास लालवानी, लख नरियानी, दयाल डेटानी, राज मनवानी, नारी तनवानी, दयालदास चंगलानी, रतनलाल तनवानी के अलावा शहर का अन्य कोई वीआयपी या पत्रकार नजर नहीं आया। आयोजकों ने भगवान झूलेलाल की उपासना कार्यक्रम की किसी को सूचना भी नहीं दी थी ताकि भीड़ जमा न हो जाए। प्रसाद वितरण का काम भी अत्यंत ही गोपनीय तरीके से किया गया था। बारी बारी से आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। बुधवार को सिंधु समाज की तरफ से निकलने वाली शोभा यात्रा वह पूजा पाठ कार्यक्रम पहले ही स्थगित किए जा चुके हैं। बी ओल्ड वार्ड में भी केवल पुजारी ने ही पूजा पाठ किया जबकि इसमें मोहल्ले वाले भी शामिल नहीं हुए। झूलेलाल जयंती पर जहां संत हिरदाराम नगर का उत्सवी माहोल रहता है, और जगह जगह प्रसाद, ठंडाई के स्टाल लगते हैं, जबरदस्त चहल पहल रहती है, वहीं इस बार सब दूर वीरानी छाई थी।

छुपते छुपाते हुए मुंडन

भगवान झूलेलाल जयंती पर बच्चों के मुंडन एवं जनेऊ बहुत ही शुभ माने जाते हैं। मुंडन या जनेऊ किसी मंदिर व धार्मिक स्थल पर आयोजित किए जाते हैं, जिसमें सैकड़ों मेहमानों को बुलाया जाता है। शहनाई बजती है, बैण्ड बाजों की धूम रहती है लेकिन इस बार ऐसा कुछ भी नहीं था। मुंडन हुए जरूर लेकिन उसमें केवल परिवार के चार पांच लोग ही शामिल हो पाए किसी भी बाहरी मेहमान को न तो आमंत्रित किया गया था न ही किसी तरह का भोजन अथवा अन्य प्रोग्राम ही हुआ। जबकि इससे पूर्व हर साल झूलेलाल मंदिर में तो मंदिर ट्रस्ट ही नाई, शहनाई, प्रसाद सहित अन्य सामग्री की निःशुल्क व्यवस्था करती थी जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल होते हैं।

गांधीनगर में भी सीमित प्रोग्राम

इधर गांधीनगर में भी जहां चैटीचंड पर आकर्षक शोभा यात्रा निकलती है वहीं बुधवार को झूलेलाल मंदिर में केवल आरती कर प्रसाद वितरण के बाद मंदिर पर ताले लगा दिए गए। यहां पुलिस ने किसी को जमा नहीं होने दिया। मंदिर समिति के रमेश हिंगोरानी ने बताया कि आरती पूजन कार्यक्रम को सीमित किया गया जिसमें केवल अशोक प्रेमानी, मंशाराम आसवानी, सोनू वरलानी, वीरूमल वरलानी एवं भगवानदास देवानी ही शामिल हुए।

खुद को घरों में कैद नहीं कर पा रहे लोग, कैसे लड़ेंगे कोरोना से

किराना दुकानों पर टूटे ग्राहक, सड़क पर भी जमा हो रहे

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि

लगता है संत हिरदाराम नगर के बाशिंदे कोरोना की भयावहता वे भलीभांति वाकिफ नहीं है यही कारण है कि प्रधानमंत्री की अपील और देशभर में लाकडाउन के साथ ही भोपाल में कर्फ्यू के बावजूद लोग खुद को घरों में कैद नहीं रख पा रहे हैं। अभी तो कर्फ्यू तथा लाकडाउन को चार दिन का समय ही हुआ तीन सप्ताह 14 अप्रैल तक इसका कैसे पालन होगा, यह समझ से परे हैं। अगर बात की जाए संत हिरदाराम नगर की तो सुबह के समय कोई दूध के बहाने तो काई किराने का सामान लेने के लिए घर से बाहर निकला। इस प्रतिनिधि ने उपनगर के अनेक इलाकों का दौरा करने पर पाया कि भोपाल इंदौर राजमार्ग स्थित मुख्य मार्ग पर चार पांच किराने की दुकाने सुबह को ही खुल गई थी, जहां ग्राहकों को भीड़ जमा थी। कई किराने की दुकानों के संचालकों ने पिछवाड़े से लोगों को सामान दिया। सब्जी मण्डी में पाया गया कि कुछ दुकाने खुली थी, और लोगों ने सब्जी खरीदी। इसी तरह फ्रूट के ठेले भी मुख्य मार्ग पर दिखे। हालांकि बाद में दस बजे से पुलिस ने सभी को बंद करवाया।

घरों के बाहर व गलियों में हो रहा है जमावड़ा

पुलिस ने जब सख्ती की तब लोग अपने घरों को तो चले गए लेकिन कुछ ही समय बाद एच वार्ड की गलियां हो या ए न्यू वार्ड सभी जगह लोगों को अपने घरों के बाहर चबूतरों पर बैठे और एक दूसरे से चर्चा में लिप्त पाया गया। चंचल रोड के अलावा अन्य मार्गो पर भी लोग दो चार दो चार की संख्या में देखने को मिले। जब भी पुलिस का वाहन गुजरता लोग घरों में चले जाते और वाहन के जाते ही लोग घरों से फिर बाहर निकल आते यह लुका छुपी का खेल दिनभर जारी था।

14 अप्रेल तक कैसे रखेंगे संयम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल तक हर हाल में लाकडाउन का पालन करने की अपील की है। पुलिस व सामाजिक संगठन भी लोगों से लगातार इसी तरह का आग्रह कर रहे हैं लेकिन जिस तरह से चार दिन के भीतर ही लोगों के घरों में रहने का सब्र का बांध टूटने लगा है, ऐसे में तीन सप्ताह तक जनता घरों में कैसे कैद रह पाएगी, यह समझ से बाहर है।

विदेशों से आने वालों के घरों पर चस्पा किए बोर्ड

किया सावधान, इनसे किसी तरह का सम्पर्क न करें

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि

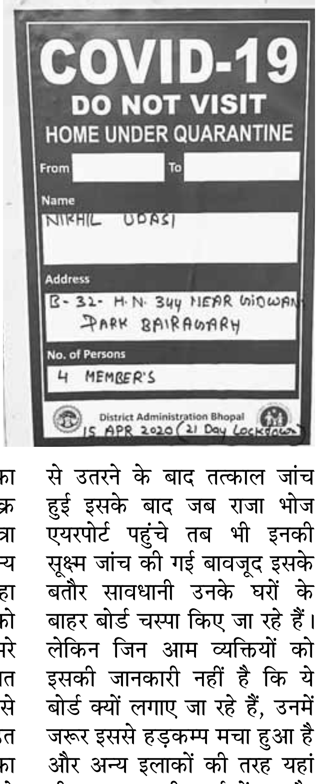

कोरोना का कहर जिस तरह से दुनिया के बाद देश में पैर पसार रहा है, उसके बाद स्वास्थ्य विभाग एवं जिला तथा पुलिस प्रशासन किसी तरह का जोखिम नहीं उठाना चाहता। संत हिरदाराम नगर में लगभग ऐसे सौ व्यक्ति हैं, जो चाईना, अमेरिका से लेकर दुबई की हाल ही में यात्रा करके आए हैं।

हालांकि ये कोरोना से पीड़ित नहीं हैं, लेकिन इनसे सावधान रहने के लिए घरों के बाहर बाकायदा बोर्ड चस्पा किए जा रहे हैं जिसमें घर का पता, सदस्यों की संख्या का जिक्र है। जो भी लोग विदेशों की यात्रा करके आए हैं, उनसे जहां अन्य लोगों को सावधान रहने को कहा जा रहा है, वहीं उन सदस्यों को घर से बाहर न निकलने एवं कमरे में ही रहने की भी सख्त हिदायत दी जा रही है। हालांकि इनमें से कोई भी व्यक्ति कोरोना से पीड़ित नहीं है न ही किसी प्रकार का लक्षण की पाया गया है जब ये लोग विदेशों से आए, तब फ्लाइट से उतरने के बाद तत्काल जांच हुई इसके बाद जब राजा भोज एयरपोर्ट पहुंचे तब भी इनकी सूक्ष्म जांच की गई बावजूद इसके बतौर सावधानी उनके घरों के बाहर बोर्ड चस्पा किए जा रहे हैं। लेकिन जिन आम व्यक्तियों को इसकी जानकारी नहीं है कि ये बोर्ड क्यों लगाए जा रहे हैं, उनमें जरूर इससे हड़कम्प मचा हुआ है और अन्य इलाकों की तरह यहां भी तरह तरह की चर्चाओं का दौर चल पड़ा है।

सोशल मीडिया पर गिना रहे नाम

बाहर से आने वालों के घरों के बाहर बोर्ड चस्पा करने की कार्रवाई के बाद सोशल मीडिया पर लोग उन व्यक्तियों के नाम भी गिना रहे हैं जो एक या दो माह के भीतर विदेशों से होकर आए हैं। हाल ही में दुबई में सिंधी समाज की एक संस्था का सम्मेलन हुआ था, जिसमें भोपाल से भी कुछ नामी लोग शामिल हुए थे, उनके नाम विशेष रूप वायरल किए जा रहे हैं, ताकि अन्य लोगों का ध्यान भी उस और जाए। वैसे पता चला है कि लालघाटी, पंचवटी, इन्द्रप्रथ से लेकर संत हिरदाराम नगर में ऐसे लगभग सौ लोग हैं, जिन्होंने बीते दो माह के भीतर विदेशों की यात्राएं की हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है यह सबकुछ केवल सावधानी के लिए किया जा रहा है ताकि कोरोना का सामना किया जा सके। भले ही इस तरह कार्रवाई सावधानी के लिए की जा रही है, लेकिन जिन जिन घरों के बाहर बोर्ड चस्पा किए गए हैं, वहां पड़ोसियों में जरूर हड़कम्प मचा हुआ है। विद्या सागर स्कूल के समीप निर्मल नर्सरी में तो कपड़े के व्यापारी जिनके बेटों का होटल का कारोबार है, और दुबई से हाल ही में लौटे हैं, पड़ोसियों ने एक परिवार से पूरी तरह से किनारा कर लिया है।

लोगों को कोरोना से बचाने नपा ने पूरे नगर को किया सेनेटाईज्ड

मंडीदीप। औद्योगिक नगर में कोरोना को लेकर नगर पालिका द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर के सभी 26 वार्डों में चलाये जा रहे इस अभियान के तहत लगभग तीन सौ कर्मचारियों का अमला देर रात से जुट जाता है। नियमित सफाई एवं डोर टू डोर कचरा कलेक्शन वाहन चलाने के साथ ही नपा अमले द्वारा नगर पालिका अंतर्गत स्थित सभी अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों की विशेष रूप से सफाई की जा रही है। नपा द्वारा मुख्य बाजार, कालोनियों के साथ ही सकरी गलियों में भी सडकों के दोनों तरफ, नालियों के ऊपर तथा संक्रमण की संभावना वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां क्रोसिक पावडर एवं हाइड्रोक्लोरिक सल्फाइड का छिड़काव किया जा रहा है। फागिंग मशीन द्वारा पूरे शहर में लगातार दिन में दो बार फागिंग की जा रही है। सफाई दरोगा अशोक शिहोते का कहना है कि नगरवासियों के स्वास्थ्य की चिंता हमारी प्राथमिकता है और हमारा पूरा अमला अपने पूरे मनोयोग से अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है।

नपा ने बढ़ाया सफाई अमला

चुनौतियों को देखते हुए अभी दो दर्जन से अधिक कर्मियों की नई भर्ती की गई है। जो पुराने अमले के साथ नगर को स्वच्छ बनाने में जुटे हुए हैं।

> संक्रमण न फैले, इसलिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता के लिए साधन, संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी।
>
> **केएल सुमन,** सीएमओ मंडीदीप

> नपा ने सफाई का जिम्मा तो संभाल लिया है। अभी और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।
>
> **आजाद जैन,**
> आदित्य इंडस्ट्रीज मंडीदीप